PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 32 बुदवार, अगस्त 12, 2026 *विशाखापट्टनम* संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

लोकेश के निर्देश पर एपी भवन अधिकारियों ने थाईलैंड में छात्रों से की बात

अमरावती, 11 अगस्तः एपी भवन के अधिकारियों ने थाईलैंड में मुश्किलों का सामना कर रहे आंध्र प्रदेश के छात्रों से बात की। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के निर्देश पर अधिकारियों ने छात्रों की स्थिति की जानकारी ली और उनकी मौजूदा समस्याओं तथा आवश्यक सहायता के बारे में विवरण जुटाया।

अधिकारियों ने छात्रों की स्थिति से जुड़ी पूरी जानकारी थाईलैंड में भारतीय राजदूत को भेज दी है। एपी भवन अधिकारियों ने बताया कि थाईलैंड में स्थानीय मुद्रा उपलब्ध नहीं होने के कारण छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अधिकारियों ने भारतीय राजदूत से थाई इमिग्रेशन अधिकारियों को छात्रों की मदद के लिए आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया। साथ ही छात्रों को सुरक्षित रूप से भारत वापस लाने के लिए जरूरी कदम उठाने की अपील की।

एपी भवन अधिकारियों ने कहा कि वे छात्रों की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और उन्हें सुरक्षित रूप से देश वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

14 से 16 अगस्त तक इंद्रकीलाद्रि पर वरुण यज्ञ और जाप

विजयवाड़ा, 11 अगस्त : लोक कल्याण और पर्याप्त वर्षा की कामना के लिए विजयवाड़ा इंद्रकीलाद्रि कनक दुर्गा मंदिर में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा त्रयाह्निक वरुण यज्ञ और वरुण जाप आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में बंदोबस्ती विभाग के आयुक्त ने आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार, 14 से 16 अगस्त तक विशेष वैदिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दुर्गा घाट और पुराने यज्ञशाला में तीन दिनों तक विशेष होम, जाप और घटाभिषेक किए जाएंगे।

चंद्रबाबू ने आंध्र प्रदेश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा की,

अधिकारियों को दिए अहम निर्देश

(पेन पॉवर न्यूज):
अमरावती, 11 अगस्तः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद और मासिक आर्थिक रिपोर्ट की समीक्षा की। इस दौरान योजना विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पिछले महीने की आर्थिक रिपोर्ट सौंपी।

अधिकारियों ने बताया कि एल नीनो की स्थिति के बावजूद राज्य की अर्थव्यवस्था ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने बताया कि 2025–26 वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में राज्य ने 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की।

अधिकारियों के अनुसार, कृषि क्षेत्र में 13.5 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र में 10.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। सामान्य निर्यात में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 16,322 करोड़ तक पहुंच गया। टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन के कारण जीएसटी संग्रह में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 13,282 करोड़ तक पहुंच गया। अधिकारियों ने बताया कि ध्2. 88 लाख करोड़ की बड़ी और मेगा परियोजनाओं की ग्राउंडिंग तथा 60,000 करोड़ की एमएसएमई परियोजनाओं के कारण 73.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। एल नीनो के कारण इस सीजन में राज्यभर में 51. 8 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई।

अधिकारियों ने बताया कि 2023–24 में वास्तविक GSDP वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत थी, जो 2025–26 में बढ़कर 9.9 प्रतिशत हो गई। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए कल्याण और विकास कार्यक्रम लागू कर रही है।

मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन करने का निर्देश दिया। उन्होंने आम लोगों पर अतिरिक्त कीमतों का बोझ न पड़े, इसके लिए कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा।

नायडू ने वर्षा की कमी के बावजूद विकास दर के लक्ष्यों को हासिल करने के निर्देश दिए। एल नीनो की स्थिति को देखते हुए उन्होंने जल उपलब्धता और उत्पादों में वैल्यू एडिशन पर केंद्रित एक आकस्मिक योजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सुझाव दिया कि जिला, विधानसभा क्षेत्र और मंडल स्तर पर योजनाएं जारी करने से लक्ष्यों को हासिल करना आसान होगा।

वाईएसआरसीपी से भविष्य में सतर्क नहीं रहे तो गंभीर मुश्किलें: मंत्री अच्चेन्नायडू

भीमावरम, 11 अगस्तः कृषि मंत्री के. अच्चेन्नायडू ने कहा कि एक्वा क्षेत्र आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की महत्वाकांक्षी पहल है। मंगलवार को पालकोल्लु में आयोजित एक्वा सभा में बोलते हुए उन्होंने वाईएसआरसीपी नेताओं पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी के शासन के दौरान राज्य को पूरी तरह बर्बाद कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने राज्य को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया था कि आंध्र प्रदेश का नाम सुनकर भी लोगों को शर्मिंदगी महसूस होने लगी थी। उन्होंने याद दिलाया कि गठबंधन सरकार के सत्ता में आने के समय राज्य का खजाना खाली था और सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए पैसे नहीं थे।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान में आंध्र प्रदेश वेंटिलेटर से बाहर निकलकर ऑक्सीजन लेने की स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन सरकार जनता से किए गए वादों के अलावा भी कई योजनाओं को लागू कर रही है।

2019 के चुनावों का जिक्र करते हुए अच्चेन्नायडू ने आरोप लगाया कि लोगों ने भावनाओं में आकर "एक चोर, एक लुटेरे और एक कुल्हाड़ी वाली पार्टी" को सत्ता में पहुंचा दिया था। उन्होंने वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता मिलने के बाद उन्होंने राज्य को बर्बाद कर दिया। अच्चेन्नायडू ने जनता को चेतावनी दी कि भविष्य में यदि वाईएसआरसीपी के प्रति सतर्क नहीं रहे तो उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

एक्वा क्षेत्र को कथित रूप से नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति के किसानों के पास हालचाल पूछने के नाम पर आने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने जनता से पूछा कि क्या उन्हें उससे सवाल करने की जिम्मेदारी नहीं निभानी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि जगन के शासनकाल में एक्वा फीड के लिए आवश्यक वस्तुओं की कीमतें नहीं बढ़ने के बावजूद उनकी कीमतों में छह बार वृद्धि की गई। उन्होंने कहा कि जल्द ही फिश मील और फिश ऑयल की कीमतों में 50 प्रतिशत तक कमी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसा होने पर एक्वा फीड की कीमतें भी कम होंगी, मंत्री अच्चेन्नायडू ने कहा।

छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने वाली कांग्रेस का असली चेहरा उजागरः पीवीएन माधव

(पेन पॉवर न्यूज):
विशाखापत्तनम, 11 अगस्तः भाजपा आंध्र प्रदेश अध्यक्ष पीवीएन माधव ने कहा कि झारखंड में एसएससी परीक्षा में अनियमितताएं सामने आई हैं, जिसके बाद छात्रों ने विरोध ा प्रदर्शन शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर रबर की गोलियां चलाई गईं और लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने कहा कि झारखंड में झामुमो–कांग्रेस सरकार सत्ता में है।

माधव ने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक होने की जानकारी मिलते ही परीक्षा रद्द कर दी गई थी और यह फैसला छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय मंत्री ने इस्तीफा दिया था। उनके अनुसार, यही भाजपा और कांग्रेस सरकार के बीच का अंतर है।

झारखंड में एसएससी पेपर लीक के कारण बड़ी संख्या में युवाओं का भविष्य प्रभावित होने पर माधव ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने वाली कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में गलती सामने आते ही उसे तुरंत सुधारा गया।

माधव ने राहुल गांधी को "कायर" बताते हुए आरोप लगाया कि वह संसद में आने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी और वाई.एस. शर्मिला से भी वाईएसआर सरकार के दौरान हुए कथित पेपर लीक मामलों पर सामने आकर जवाब देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी दिशाहीन स्थिति में है और उसके पास कोई मुद्दा नहीं होने के कारण जानबूझकर राजनीति कर रही है। उन्होंने दावा किया कि डीएससी परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई।

भाजपा के आंध्र प्रदेश अध्यक्ष ने खेल कोटे के तहत नौकरियों को लेकर सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी के विरोध ा प्रदर्शनों को जनता खारिज कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कर्मचारियों ने भी अपने करियर को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों के खिलाफ प्रदर्शन किया था, जैसा कि पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर हुआ था।

माधव ने कहा कि भाजपा स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार है और विश्वास जताया कि विशाखापत्तनम में गठबंधन सरकार सबसे अधिक सीटों पर जीत हासिल करेगी।

गायक राहुल सिप्लिगुंज समेत 15 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

विशाखापत्तनम, 11 अगस्तः बिग बॉस विजेता और लोकप्रिय गायक राहुल सिप्लिगुंज समेत 15 अन्य लोगों के खिलाफ विशाखापत्तनम के एमवीपी कॉलोनी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। एक युवती ने आरोप लगाया कि राहुल सिप्लिगुंज के बहनोई से जुड़ी शादी की बात को लेकर उसके साथ धोखा किया गया। युवती ने एमवीपी कॉलोनी पुलिस से शिकायत की, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। बाद में इस केस को महिला पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया।

शिकायत में राहुल सिप्लिगुंज के बहनोई करवारपु राहुल रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। युवती ने आरोप लगाया कि शादी का भरोसा दिलाकर उसने उसका शारीरिक शोषण किया और बाद में धोखा दिया। उसने धमकी, मानहानि और चोरी के आरोप भी लगाए तथा अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताई।

इस मामले में प्रमुख अधिवक्ता गीता प्रसन्न चंदना, उनके पति शिव नारायण, पत्रकार नरेश, उदय और साईराम के अलावा सुवर्णा, हरिण्या रेड्डी, कार्तिक और केआर रेड्डी समेत अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

इससे पहले युवती ने 10 मार्च 2026 को नगर पुलिस आयुक्त से केवल राहुल रेड्डी के खिलाफ शिकायत की थी। करीब तीन महीने बाद 11 जून को उसने दूसरी शिकायत दी, जिसमें 11 और लोगों के नाम शामिल किए गए। इस घटनाक्रम को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। आरोप यह भी सामने आए हैं कि राहुल रेड्डी से कथित तौर पर ध्1 करोड़ की मांग पूरी नहीं होने के बाद युवती ने शिकायत की। तीन महीने के भीतर आरोपियों की संख्या बढ़ने और कई प्रमुख लोगों के नाम सामने आने के कारण यह मामला पुलिस महकमे में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बाइक रैलियों के नाम पर वाईएसआरसीपी नेताओं की आपत्तिजनक हरकतें: मंत्री कोल्लु रविंद्र

(पेन पॉवर न्यूज):
मछलीपट्टनम, 11 अगस्तः मंत्री कोल्लु रविंद्र ने वाईएसआरसीपी नेताओं पर बाइक रैलियों के नाम पर आपत्तिजनक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए कड़ी नाराजगी जताई।

मंगलवार को मछलीपट्टनम में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मेगा डीएससी भर्ती में अनियमितताओं का आरोप लगाकर वाईएसआरसीपी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन और बाइक रैलियों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि इन रैलियों में उपद्रवी तत्वों और गांजा गिरोहों से जुड़े लोगों को शामिल किया गया था।

रविंद्र ने कहा कि वाईएसआरसीपी द्वारा आयोजित धरनों और बाइक रैलियों में कहीं भी किसान या छात्र शामिल नहीं हुए।

उन्होंने वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने युवाओं को कमजोर किया। उन्होंने कहा कि मेगा डीएससी के जरिए 16,000 लोगों को नौकरियां दिए जाने के बावजूद वाईएसआरसीपी नेताओं द्वारा अनियमितताओं का आरोप लगाना शर्मनाक है। उन्होंने वाईएस जगन से सीधे सवाल किया कि क्या उनकी पांच साल की सरकार के दौरान एक भी मेगा डीएससी परीक्षा आयोजित की गई थी।

मंत्री ने कहा कि वाईएसआरसीपी द्वारा बुलाए जा रहे विरोध कार्यक्रमों में जनता शामिल नहीं हो रही है। उन्होंने दावा किया कि आंध्र प्रदेश में सुशासन चल रहा है और चुनाव के दौरान किए गए 95 प्रतिशत वादे पूरे किए जा चुके हैं।

रविंद्र ने कहा कि सरकार हर महीने पेंशन दे रही है और तल्लिकी वंदनम योजना भी लागू की गई है।

आंध्र प्रदेश सरकार का एक्वा किसानों को बिजली सब्सिडी का तोहफा

अमरावती, 11 अगस्त : आंध्र प्रदेश सरकार ने एक्वा किसानों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। सरकार ने एक्वा किसानों के लिए बिजली सब्सिडी जारी रखने का आदेश दिया है। किसानों को बिजली 1.50 प्रति यूनिट की रियायती दर पर उपलब्ध कराई जाएगी।

इस संबंध में ऊर्जा विभाग ने मंगलवार को एक्वा किसानों के लिए बिजली सब्सिडी को लेकर GO RT नंबर–57 जारी किया। नए घोषित एक्वा जोन में आने वाले सभी पात्र एक्वा फार्मों को 1.50 प्रति यूनिट की दर पर बिजली सब्सिडी दी जाएगी।

APSADA और CAA कानूनों के तहत पंजीकृत सभी पात्र एक्वा फार्मों को भी ध्1.50 प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। लगभग 6,500 पंजीकृत एक्वा फार्म इस सब्सिडी से लाभान्वित होंगे। भविष्य में APSADA/CAA पंजीकरण प्राप्त करने वाले पात्र फार्मों को भी पंजीकरण की तारीख से सब्सिडी दी जाएगी।

यह बिजली सब्सिडी 1 जून 2026 से 1.50 प्रति यूनिट की दर पर लागू की जाएगी।

एक्वा उत्पादन लागत के कारण आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे किसानों को सरकार के इस फैसले से राहत मिलने की उम्मीद है। वैश्विक एक्वा निर्यात बाजार में कीमत और गुणवत्ता के मामले में प्रतिस्पर्धा बनाए रखने में किसानों की मदद के लिए यह बिजली सब्सिडी दी जाएगी।

मत्स्य विभाग पात्र एक्वा किसानों का विवरण DISCOMs को उपलब्ध कराएगा। मत्स्य विभाग के प्रस्ताव की समीक्षा के बाद आंध्र प्रदेश सरकार सब्सिडी के विस्तार पर निर्णय लेगी।

संपादकीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का असली ईंधन बिजली है!

जब भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की चर्चा होती है, हमारे दिमाग में सबसे पहले अत्याधुनिक चिप्स, शक्तिशाली कंप्यूटर, जटिल प्रोग्राम और विशाल डेटा आते हैं। लेकिन आज दुनियाभर में एआई क्षेत्र में तेजी से सबसे मूल्यवान संसाधन बनकर उभर रहा है तो वह है 'बिजली'। कृत्रिम बुद्धिमत्ता में अग्रणी बनने की होड़ में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, मेटा, एंथ्रोपिक और ओपनएआई जैसी तकनीकी दिग्गज कंपनियां अत्याधुनिक चिप्स और बड़े डेटा सेंटर स्थापित करने के साथ–साथ उन्हें लगातार चलाने के लिए आवश्यक बिजली पर भी ध्यान केंद्रित कर रही हैं। कुछ कंपनियां अपने खुद के बिजली उत्पादन संयंत्र स्थापित करने की तैयारी कर रही हैं, जबकि अन्य दीर्घकालिक बिजली आपूर्ति समझौतों की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में डेटा सेंटरों को तेजी से बढ़ावा दे रहे भारत, खासकर तेलुगु राज्यों, को इस बदलाव के लिए कैसे तैयार होना चाहिए? कृत्रिम बुद्धिमत्ता का काम करने का तरीका सामान्य कंप्यूटर से पूरी तरह अलग होता है।

हम कंप्यूटर या लैपटॉप पर कोई फाइल खोलने, दस्तावेज प्रिंट करने या वेबसाइट पर जानकारी खोजने का आदेश देते हैं तो उपकरण उस निर्देश को पूरा करने के बाद अपना काम समाप्त कर देता है। लेकिन एआई में ऐसा नहीं होता। सबसे पहले बिंजळच्ज और ळमउपदप जैसे प्रत्येक एआई मॉडल को तैयार करने के दौरान किताबों, शोध पत्रों, तस्वीरों, वीडियो और कंप्यूटर कोड जैसी विशाल मात्रा में जानकारी का अध्ययन कराया जाता है। इनमें मौजूद पैटर्न, संबंध, भाषा की संरचना और अभिव्यक्ति को गणितीय मॉडलों के रूप में समझा जाता है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मॉडल उपयोग के लिए तैयार होता है। इसके बाद जब भी कोई व्यक्ति सवाल पूछता है, मॉडल प्रशिक्षण के दौरान हासिल किए गए ज्ञान के आधार पर करोड़ों गणितीय गणनाएं करता है और संदर्भ के अनुरूप उत्तर तैयार करता है। इसे आसानी से समझने के लिए सामान्य कंप्यूटर की तुलना रेडीमेड कपड़ों की दुकान से और एआई की तुलना एक अनुभवी दर्जी से की जा सकती है। रेडीमेड दुकान में पहले से तैयार कपड़ों में से अपनी पसंद का कपड़ा चुन सकते हैं। लेकिन दर्जी हमारी जरूरत, नाप और पसंद के अनुसार नया कपड़ा तैयार करता है। इसी तरह एआई भी प्रत्येक सवाल और संदर्भ के अनुरूप हमारे लिए उत्तर तैयार करता है।

उदाहरण के तौर पर, यदि एआई को किसी प्राचीन तेलुगु ताड़पत्र की धुंधली तस्वीर दी जाए तो वह पहले अपने प्रशिक्षण के दौरान देखी गई लाखों ताड़पत्र पांडुलिपियों, क्षतिग्रस्त ग्रंथों, तेलुगु अक्षरों के विभिन्न रूपों और उनके दृश्य पैटर्न से उस तस्वीर की तुलना कर सकता है। इसके आधार पर वह ताड़पत्र पर मौजूद अक्षरों को पहचानने का प्रयास करेगा।

इसके बाद ऐतिहासिक ताड़पत्र ग्रंथों, प्राचीन तेलुगु साहित्य, तेलुगु लिपि में समय के साथ हुए बदलाव और उस दौर में भाषा के इस्तेमाल के पैटर्न से तुलना करके वह यह अनुमान लगा सकता है कि वह लिपि 16वीं शताब्दी की है। फिर आगे–पीछे के शब्दों, व्याकरण, वाक्य संरचना, उसी ग्रंथ में अन्य स्थानों पर इस्तेमाल हुए शब्दों और उस समय की भाषाई शैली का विश्लेषण करके यह अनुमान लगाया जा सकता है कि किसी धुंधले या क्षतिग्रस्त स्थान पर कौन–सा अक्षर होने की सबसे अधिक संभावना है। इसके बाद उस दौर के तेलुगु साहित्य, शब्दों के संदर्भ, व्याकरणिक संरचना और शब्द प्रयोगों को ध्यान में रखते हुए, आवश्यकता पड़ने पर श्रीकृष्णदेवराय की लेखन शैली, उपमाओं और अभिव्यक्ति के तरीके जैसे पहलुओं का भी विश्लेषण किया जा सकता है। इससे एआई पूरे पद्य के भाव को समझने का प्रयास करता है।

अंत में लाखों अनुवाद उदाहरणों और भाषाई संरचनाओं के आधार पर कई संभावित विकल्प तैयार किए जाते हैं और उपयोगकर्ता के अनुरोध के अनुसार उनमें से सबसे उपयुक्त अनुवाद का चयन कर प्रस्तुत किया जाता है। यह भारत और विशेष रूप से तेलुगु राज्यों के लिए एक स्पष्ट संकेत है। एआई के युग में प्रतिस्पर्धा केवल सॉफ्टवेयर, चिप्स और डेटा सेंटरों के बीच नहीं होगी, बल्कि उन क्षेत्रों के बीच भी होगी जो इन सभी को लगातार चलाने के लिए पर्याप्त बिजली और विश्वसनीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध करा सकें। इसलिए डेटा सेंटरों को आकर्षित करने के साथ–साथ उनके लिए आवश्यक बिजली उत्पादन क्षमता, ट्रांसमिशन नेटवर्क और ग्रिड स्थिरता को पहले से मजबूत करना होगा। सौर, पवन और समुद्री तरंग ऊर्जा जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग का भी विस्तार करना चाहिए। साथ ही डेटा सेंटरों में कूलिंग के लिए आवश्यक सतत जल उपलब्धता सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। आने वाले एआई युग में जिस राज्य के पास डेटा, चिप्स और तकनीक के साथ पर्याप्त एवं भरोसेमंद बिजली होगी, वही निवेश और तकनीकी विकास की दौड़ में आगे निकल सकेगा।

मक्का समझौता भारत के लिए चेतावनी

पश्चिम एशिया में बदलते सुरक्षा समीकरण अब दक्षिण एशिया को भी प्रभावित करने की स्थिति में पहुंच गए हैं। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच हुआ मक्का सामूहिक रक्षा समझौता इसका ताजा उदाहरण है। समझौते के अनुसार, तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होने पर उसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इसके अलावा, संयुक्त सैन्य अभ्यास, रक्षा बलों का प्रशिक्षण, खुफिया सूचनाओं का आदान–प्रदान और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में भी तीनों देश मिलकर काम करेंगे। अभी इस समझौते पर केवल तीन देशों ने हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन मिस्र भी इसमें शामिल होने की इच्छा जता रहा है।

पाकिस्तान की ताकत उसके सैन्य मानव संसाधन, परमाणु हथियार क्षमता और युद्ध अनुभव में है। तुर्किये के पास नाटो का अनुभव, तेजी से विकसित हो रहा रक्षा उद्योग और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियार हैं। वहीं सऊदी अरब के पास आर्थिक शक्ति और प्रचुर ऊर्जा संसाधन हैं। इन तीनों देशों की ताकतों को एक–दूसरे से जोड़ना ही इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य नजर आता है। इस समझौते के पीछे पश्चिम एशिया में पैदा हुई असाधारण परिस्थितियां प्रमुख कारण हैं। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य तनाव, खाड़ी देशों पर ईरान के मिसाइल हमले, गाजा युद्ध और इजरायल–तुर्किये के बीच मतभेदकृये सभी इस नए गठबंधन के गठन के कारण हैं। दिलचस्प बात यह है कि गठबंधन में शामिल तीनों देशों के अलग–अलग सुरक्षा हित हैं। पाकिस्तान के लिए भारत प्रमुख चुनौती है। सऊदी अरब के लिए ईरान और खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। तुर्किये के लिए सीरिया, कुर्द समस्या, इजरायल के साथ मतभेद और यूरोप के साथ संबंध प्रमुख मुद्दे हैं।

ऐसे अलग–अलग हितों के बीच समान सैन्य प्रतिक्रिया पर सहमति बनाना आसान नहीं होगा। इसलिए मक्का समझौते का भविष्य उसके घोषणापत्र में नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन में तय होगा। यदि संयुक्त कमान, समन्वित खुफिया व्यवस्था, संयुक्त सैन्य अभ्यास, वायु रक्षा सहयोग और रक्षा उद्योगों के बीच तालमेल जैसी व्यवस्थाएं विकसित होती हैं, तभी यह वास्तविक सुरक्षा गठबंधन का रूप ले सकेगा। नाटो की तर्ज पर रक्षा समझौता करना सऊदी अरब की लंबे समय से चली आ रही इच्छा रही है। आतंकवाद के खिलाफ मुस्लिम देशों को एकजुट करने की अपील भी पहले की गई थी, लेकिन वह प्रयास सफल नहीं हो सका। हालिया खाड़ी हमलों और बढ़ते तनाव ने इस समझौते की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए परिस्थितियां तैयार कीं। हालांकि, अभी शुरुआती दौर में मौजूद इस गठबंधन की तुलना नाटो से करना और इसे 'इस्लामिक गठबंधन' कहना अतिशयोक्ति है। नाटो के पास संयुक्त कमान व्यवस्था, सैन्य बुनियादी ढांचा, दशकों का संस्थागत अनुभव और समन्वित रक्षा योजना है। मक्का समझौते के पास फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। किसी सदस्य देश पर हमला होने पर क्या बाकी देश सीधे युद्ध में उतरेंगे या केवल राजनीतिक, खुफिया और हथियारों तक सहायता सीमित रखेंगेकृजैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी स्पष्टता आवश्यक है।

भविष्य में इस गठबंधन के विस्तार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पहले ही मिस्र और कतर जैसे देशों के नाम सामने आ रहे हैं। हालांकि, केवल सदस्य देशों की संख्या बढ़ना ही गठबंधन की सफलता का पैमाना नहीं हो सकता। भारत की बात करें तो मक्का समझौता सीधे तौर पर भारत विरोधी नहीं है, लेकिन नई दिल्ली को इसके प्रभावों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। इसकी सबसे बड़ी वजह इस गठबंधन में पाकिस्तान की मौजूदगी है। भविष्य में पाकिस्तान को तुर्किये से अत्याधुनिक रक्षा तकनीक, प्रशिक्षण और खुफिया सहयोग और अधिक मिल सकता है। सऊदी अरब भी पाकिस्तान के साथ अपने मौजूदा रक्षा संबंधों को और मजबूत कर सकता है। तुर्किये ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन देने के साथ–साथ ड्रोन भी उपलब्ध कराए थे। इसलिए भविष्य में यदि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी स्थिति दोबारा पैदा होती है, तो संभावित घटनाक्रमों का अनुमान लगाते हुए भारत के लिए पश्चिम एशियाई देशों के साथ अपनी रणनीतिक नीति को पहले से मजबूत करना बेहतर होगा।

निवेश का हब बना तेलंगाना

राज्य के आर्थिक विकास के लिए औद्योगिकीकरण प्रमुख प्रेरक शक्ति है। उद्योगों के विस्तार से रोजगार, निर्यात, तकनीकी प्रगति, बुनियादी ढांचे और सरकारी राजस्व जैसे सभी क्षेत्रों का तेजी से विकास होता है। इसी दिशा में तेलंगाना सरकार पिछले दो वर्षों से निवेश आकर्षित करने, विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण तैयार करने और भविष्य के उद्योगों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठकों से लेकर तेलंगाना ग्लोबल समिट तक राज्य को मिले निवेश और उन्हें तेजी से धरातल पर उतारने की प्रक्रिया देश–विदेश के उद्योगपतियों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

राज्य में बढ़ते औद्योगिक विकास के साथ तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय में सुधार हुआ है और नीति आयोग की रिपोर्ट में भी राज्य को बेहतर रैंकिंग मिली है। औद्योगिक क्षेत्र में तेलंगाना की सफलता का प्रमाण इंडिया इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली इंडेक्स–2026 में 47.3 अंक के साथ देश में 13वें स्थान पर रहना है। 17 प्रमुख राज्यों की श्रेणी में तेलंगाना को 10वां स्थान मिला है। नीति आयोग ने यह रैंकिंग 28 प्रमुख मानकों के आधार पर तैयार की है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, बुनियादी ढांचे, कौशल विकास, कारोबारी अनुकूल माहौल और उद्योगों के लिए समर्थन प्रणाली में सुधार के कारण तेलंगाना ने उल्लेखनीय अंक हासिल किए हैं। ये स्कोर राज्य की समग्र औद्योगिक क्षमता को दर्शाते हैं। तेज सरकारी निर्णय, पारदर्शी शासन और उद्योगों के अनुकूल नीतियों ने तेलंगाना को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में शामिल कर दिया है। दावोस के मंच से तेलंगाना को बड़े निवेश मिले हैं। 2024 और 2025 में हुए समझौतों को मिलाकर 42 कंपनियों के साथ कुल 2.19 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए, जिनमें से 85,200 करोड़ रुपये, यानी करीब 39 प्रतिशत, पहले ही क्रियान्वयन के चरण में पहुंच चुके हैं। 2024 में समझौते करने वाली 10 कंपनियों और 2025 में समझौते करने वाली अन्य 10 कंपनियों ने राज्य में अपना संचालन शुरू कर दिया है।

2026 के दावोस सम्मेलन में 47,300 करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े समझौते हुए। कुल मिलाकर 2024 से 2026 के बीच तेलंगाना को करीब 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से 35 से 40 प्रतिशत परियोजनाओं का पहले ही धरातल पर उतरना उल्लेखनीय है। आईटी, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, परिवहन, फार्मा, लाइफ साइंसेज, इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत विनिर्माण जैसे भविष्य के क्षेत्रों में इन निवेशों का केंद्रित होना राज्य को और मजबूती दे रहा है।

निवेश आकर्षित करने और समझौतों को लागू करने में भी तेलंगाना सरकार ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उद्योग विभाग के अनुसार, दावोस के साथ–साथ तेलंगाना ग्लोबल समिट–2025 में हुए 75 समझौतों में से 14 पहले ही लागू हो चुके हैं। करीब 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश के लिए आवश्यक 255 एकड़ से अधिक भूमि सरकार ने आवंटित की है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अरागेन लाइफ साइंसेज जैसी कंपनियों की परियोजनाओं में तेजी से प्रगति हो रही है। इससे निवेश केवल समझौतों तक सीमित न रहकर उद्योगों के रूप में धरातल पर उतर रहा है और निवेशकों के साथ–साथ राज्य के लोगों का विश्वास भी बढ़ रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र में तेलंगाना की सफलता के पीछे राज्य सरकार की नीतियां प्रमुख कारण हैं। टीएस–आईपास के माध्यम से निर्धारित समय सीमा में उद्योगों को मंजूरी, पारदर्शी सिंगल–विंडो प्रणाली, व्यापक लैंड बैंक, 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली, उद्योगों के लिए विशेष जल आपूर्ति, बेहतर परिवहन व्यवस्था, सड़क–रेल–हवाई संपर्क और अत्याधुनिक डिजिटल कनेक्टिविटी ने तेलंगाना को निवेशकों की पहली पसंद बनाया है। राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए आने वाले आवेदनों पर तेजी से निर्णय लेने से निवेशकों का भरोसा और मजबूत हो रहा है।

तकनीकी क्षेत्र में हैदराबाद देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे आईटी केंद्रों में शामिल है। वर्तमान में ग्रेटर हैदराबाद में 1,500 से अधिक आईटी कंपनियां काम कर रही हैं, जिनमें 10 लाख से अधिक लोग रोजगार पा रहे हैं। दुनिया की शीर्ष 10 आईटी कंपनियों में से सात कंपनियां हैदराबाद में अपना संचालन कर रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, गूगल, मेटा और सेल्सफोर्स जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियों द्वारा तेलंगाना को अपने विस्तार के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में चुनना राज्य के आईटी क्षेत्र की ताकत को दर्शाता है।

हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहा 'भारत फ्यूचर सिटी' राज्य के औद्योगिक विकास को नई दिशा दे रहा है। करीब 30 हजार एकड़ में विकसित हो रहे इस शहर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहन, आधुनिक विनिर्माण, मेडिकल टूरिज्म, शिक्षा और मनोरंजन क्षेत्रों के लिए विशेष जोन स्थापित करने का सरकार का लक्ष्य है। दावोस–2026 में हुए समझौतों में 16 परियोजनाओं ने फ्यूचर सिटी में निवेश में रुचि दिखाई है। इसके अलावा एआई सिटी, एजुकेशन जोन, हेल्थ एंड मेडिकल टूरिज्म जोन और ईवी मैन्युफैक्चरिंग जोन जैसे विशेष क्लस्टर तेलंगाना के भविष्य के औद्योगिक विकास की दिशा तय करेंगे।

डेटा सेंटर, फार्मा और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेलंगाना पहले ही विशेष स्थान बना चुका है। हैदराबाद का जीनोम वैली, मेडिकल डिवाइस पार्क और फार्मा क्लस्टर विश्वस्तरीय निवेश आकर्षित कर रहे हैं। क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी राज्य आगे बढ़ रहा है। उद्योगों के लिए आवश्यक कुशल मानव संसाधन तैयार करने के लिए सरकार तीन आईटीआई क्लस्टरों के विकास, कौशल विकास कार्यक्रमों और उद्योगों से जुड़े प्रशिक्षण तंत्र का विस्तार कर रही है।

औद्योगिक विकास के लिए तेलंगाना तेजी से बुनियादी ढांचा तैयार कर रहा है। देशभर में लागू किए जा रहे 75 एयरपोर्ट कनेक्टिविटी प्रोजेक्टों में से 16 और 43 रेलवे कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से पांच तेलंगाना में चल रही हैं। इसके अलावा 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी प्रगति पर हैं। केंद्र ने तेलंगाना से होकर तीन बुलेट ट्रेन लाइनों का प्रस्ताव रखा है। इन परियोजनाओं से उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक्स बेहतर होने के साथ ही माल ढुलाई की लागत भी कम होगी। राज्य के आर्थिक विकास पर निवेश का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार तेलंगाना ने 9.8 प्रतिशत आर्थिक विकास दर दर्ज की है। हाल ही में विश्व बैंक की रिपोर्ट में भी तेलंगाना को तेजी से समृद्ध हो रहे राज्य के रूप में उल्लेखित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,760 डॉलर यानी करीब 2,63,179 रुपये है, जबकि तेलंगाना में यह 5,407 डॉलर यानी करीब 5,15,583 रुपये है। यह राज्य के औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण संकेतक है।

उद्योग, आईटी, सेवा क्षेत्र, निर्यात और बुनियादी ढांचे के विस्तार ने राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। 'तेलंगाना राइजिंग–2047' विजन के तहत राज्य की अर्थव्यवस्था को तीन ट्रिलियन डॉलर के स्तर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ सरकार औद्योगिक विकास को आगे बढ़ा रही है। निवेश अनुकूल नीतियां, तेज मंजूरियां, आधुनिक बुनियादी ढांचा, धरातल पर उतर रही परियोजनाएं और बढ़ते रोजगार अवसर मिलकर तेलंगाना को देश के औद्योगिक विकास का केंद्र बना रहे हैं।

दावोस और तेलंगाना ग्लोबल समिट जैसे मंचों पर हुए समझौतों के तेजी से क्रियान्वयन से अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का तेलंगाना पर भरोसा और मजबूत हो रहा है। यदि इसी गति से राज्य में निवेश बढ़ता रहा, तो तेलंगाना न केवल आर्थिक रूप से और मजबूत होगा, बल्कि भारत के औद्योगिक विकास की प्रमुख दिशा तय करने वाले राज्यों में भी अपनी जगह बना सकता है।

egkjk"V ,QMh, dk c,Ec gkbdkV dh QVdkj

मुंबई: बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन को "शक्ति प्रदर्शन" से बचने की नसीहत देते हुए कहा कि उसके अधिकारों का इस्तेमाल विवेकपूर्ण और विधिसम्मत तरीके से होना चाहिए। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड़ की खंडपीठ ने यह टिप्पणी कैडिला फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई के दौरान की।

कैडिला ने एफडीए के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत कंपनी की कुछ दवाओं की बिक्री और वितरण पर रोक लगाई गई थी तथा लगभग 2.45 करोड़ रुपये का स्टॉक जब्त किया गया था। प्रभावित दवाओं में |बपसवब 150, |बपसवब 150 च्सने, |बपसवब 300 और |बपसवब 300 च्सने शामिल हैं।

कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बिरेन्द्र सराफ ने दलील दी कि आदेश जारी करने से पहले कंपनी को अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया। वहीं, सरकारी वकील नेहा भिड़े ने एफडीए की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि दवाओं की ब्रांडिंग में समानता और सक्रिय औषधीय तत्वों (।च्) में अंतर के कारण भ्रम की स्थिति थी, इसलिए यह कार्रवाई एहतियाती कदम थी। हालांकि अदालत ने एफडीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह कंपनी के नुकसान से ज्यादा उन मरीजों की चिंता कर रही है, जिन्हें इन दवाओं तक पहुंच नहीं मिल पाई।

अदालत ने एफडीए को फटकार लगाते हुए कहा, "आपके अधिकारों पर हमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन आप उनका प्रदर्शन ज्यादा करते हैं। आपके पास तलवार चलाने की शक्ति है, लेकिन आप उसका इस्तेमाल मच्छर मारने के लिए करते हैं। शक्ति का प्रयोग विवेकपूर्ण ढंग से होना चाहिए।"

पीठ ने यह भी कहा कि एफडीए कई मामलों में पहले कार्रवाई कर देता है और बाद में स्पष्टीकरण मांगता है। अदालत ने चेतावनी दी कि यदि ऐसी प्रवृत्ति जारी रही तो नियामक संस्था पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। अदालत की टिप्पणियों के बाद एफडीए ने आदेश वापस लेने, कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी करने और जवाब मिलने के बाद नया निर्णय लेने का आश्वासन दिया। इसके बाद हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया। इससे पहले भी अमेजन रिटेल इंडिया के गोदाम से जुड़े मामले में यही पीठ एफडीए को "मच्छर मारने के लिए तलवार" वाले उदाहरण से आगाह कर चुकी है और कहा था कि नियामक के पास कार्रवाई की शक्ति है, लेकिन उसका उपयोग उचित प्रक्रिया और संतुलन के साथ होना चाहिए।

मछलीपट्टनम में भव्य 'हर घर तिरंगा' रैली

विजयवाड़ा, पेन पावर, 11 अगस्तः केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के तत्वावधान में ऐतिहासिक मछलीपट्टनम में भव्य 'हर घर तिरंगा' रैली आयोजित की गई। एनसीसी 16वीं बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रूपेश अवस्थी ने 200 फीट लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 300 से अधिक एनसीसी कैडेटों ने तिरंगा लेकर रैली में भाग लिया और 'वंदे मातरम' तथा 'हर घर तिरंगा' के नारों से देशभक्ति का संदेश दिया। रैली कोनेरू सेंटर से शुरू होकर शहर की प्रमुख सड़कों से गुजरते हुए आंध्र नेशनल कॉलेज में संपन्न हुई। कर्नल रूपेश अवस्थी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य हर घर पर तिरंगा फहराने के साथ–साथ नशामुक्त भारत और टीबी मुक्त भारत जैसे सामाजिक संदेशों को जन–जन तक पहुंचाना है। सीबीसी के सहायक निदेशक आर. रमेश चंद्र ने कहा कि पिंगली वेंकैया से जुड़े आंध्र नेशनल कॉलेज तक तिरंगा यात्रा पहुंचाना विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक अनुभव रहा। एनसीसी कैडेटों ने मादक पदार्थों के खिलाफ भी जागरूकता अभियान चलाया।

पोलवरम जिले में चार 102 मदर–बेबी एक्सप्रेस वाहन शुरू

गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को मुफ्त परिवहन सुविधा

रामपचोडावरम, पेन पावर, 11 अगस्तः पोलवरम जिले के लिए आवंटित चार 102 मदर–बेबी एक्सप्रेस वाहनों को मंगलवार को रामपचोडावरम आईटीडीए कार्यालय परिसर में शुरू किया गया। राज्य एसटी आयोग के अध्यक्ष सोल्ला बोझ्जी रेड्डी, जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार और संयुक्त कलेक्टर सूरपाटी प्रशांत कुमार ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया।

इस अवसर पर एसटी आयोग के अध्यक्ष सोल्ला बोझ्जी रेड्डी ने कहा कि आदिवासी, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं और प्रसूता माताओं को परिवहन की कमी के कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देने के साथ–साथ मां और नवजात शिशु की सुरक्षा के लिए 102 मदर–बेबी एक्सप्रेस सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम लाभार्थी तक पहुंचाना है। मदर–बेबी एक्सप्रेस सेवा पूरी तरह निःशुल्क होने के कारण गरीब परिवारों पर परिवहन का आर्थिक बोझ कम होगा। उन्होंने पात्र लाभार्थियों से इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की।

जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि प्रसव के बाद मां और नवजात शिशु को सुरक्षित और समय पर उनके घर पहुंचाना प्रसवोत्तर स्वास्थ्य देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 102 सेवा के माध्यम से सरकारी अस्पतालों, क्षेत्रीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य चिकित्सा संस्थानों से लाभार्थियों के घर तक सीधे परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों को जिले में 102 सेवा लगातार उपलब्ध कराने तथा इसके संचालन में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने देने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इन वाहनों को आधुनिक सुविधाओं और आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। गर्भवती महिलाओं और प्रसूता माताओं से आपात स्थिति में 102 कॉल सेंटर से संपर्क कर मदर–बेबी एक्सप्रेस सेवा का लाभ उठाने की अपील की।

कार्यक्रम में रामपचोडावरम आरडीओ के. स्वाति, माइनॉरिटी सेल निदेशक शेख सुब्हानी, डीएमएचओ डॉ. पी. सरिता, डीसीएचएस सांबशिव राव, जिला मलेरिया अधिकारी भास्कर, तहसीलदार सी.एच. बालाजी, एमपीडीओ प्रसाद, जनप्रतिनिधि, गठबंधन नेताओं, चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी तथा जिला अस्पताल सेवा समन्वयक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भूमि री–सर्वे प्रक्रिया में तेजी लाएं : कलेक्टर राजाबाबू

ओंगोल, पेन पावर, 11 अगस्तः प्रकाशम जिला कलेक्टर पी. राजाबाबू ने एवं सटीक तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विशेष मुख्य सचिव साई प्रसाद और सीसीएलए जयलक्ष्मी द्वारा सभी जिलों के कलेक्टरों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। बैठक में आरओआर, भूमि आवंटन, री–सर्वे, पट्टादार पासबुक वितरण, पीजीआरएस शिकायतों और 22–ए भूमि संबंधी समस्याओं की समीक्षा की गई। बाद में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जिले के शेष मंडलों में भूमि री–सर्वे प्रक्रिया में तेजी लाने और इसे व्यवस्थित शिकायत आवेदनों के निपटारे पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने पीजीआरएस आवेदनों को राजस्व, भूमि और पारिवारिक समस्याओं के आधार पर अलग–अलग वर्गीकृत कर, क्षेत्रीय स्तर पर जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पट्टादार पासबुक वितरण में प्रगति बढ़ाने तथा वास्तविक शिकायतों को अनावश्यक रूप से खारिज किए बिना उनका समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

एर्रुपालेमदृनंबूरू रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाएं

विजयवाड़ा, पेन पावर, 11 अगस्तः अमरावती को जोड़ने वाली प्रस्तावित एर्रुपालेमदृनंबूरू नई रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश एनटीआर जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश ने अधिकारियों को दिया। कलेक्टर ने मंगलवार को वीरुल्लापाडु मंडल के जुज्जूरू गांव में भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने भूमि मालिकों को पहले ही नोटिस जारी किए जाने के मद्देनजर नियमानुसार शेष प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

वीरुल्लापाडु मंडल के छह गांवों में लगभग 175 एकड़ और कंचिकचेरला मंडल के दो गांवों में करीब 120 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए चिन्हित की गई है। कलेक्टर ने भूमि मालिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पारदर्शी तरीके से प्रक्रिया पूरी करने और लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एर्रुपालेम से अमरावती होते हुए गुंटूर जिले के नंबूरू तक प्रस्तावित रेलवे लाइन क्षेत्र में परिवहन सुविधा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

जन शिकायतों के समाधान में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई

रामपचोड़ावरम, पेन पावर, 11 अगस्तः पोलावरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने जन शिकायतों के समाधान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत की पूरी जांच कर शिकायतकर्ता को उचित समाधान और वास्तविक राहत प्रदान की जाए। कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक पीजीआरएस समीक्षा बैठक में कहा कि केवल आंकड़े बढ़ाने के लिए शिकायतों को बंद न किया जाए। अधिकारियों द्वारा अनिवार्य रूप से मौके पर जाकर जांच करने और शिकायतकर्ताओं से सीधे बातचीत करने के निर्देश दिए गए। बिना उचित जांच के गलत रिपोर्ट या एंडोर्समेंट देने वाले अधिकारियों को भी चेतावनी दी गई। उन्होंने आदिवासी समुदायों, महिलाओं, बुजुर्गों और अशिक्षित लोगों की शिकायतों पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुरपाठी प्रशांत कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

अंगदान - मृत्यु के बाद भी जीवन देने वाला महादान

बापटला, पेन पावर, 11 अगस्तः बापटला जिला कलेक्टर एवं रेड क्रॉस जिला अध्यक्ष डॉ. वासुदेव विनोद कुमार ने कहा कि अंगदान सबसे महान दानों में से एक है, क्योंकि इसके माध्यम से मृत्यु के बाद भी किसी अन्य व्यक्ति को नया जीवन दिया जा सकता है। अंगदान पखवाड़े के तहत बापटला जिला रेड क्रॉस द्वारा आयोजित पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हृदय, लीवर, किडनी और फेफड़ों जैसे अंगों की आवश्यकता वाले कई मरीज प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं। नेत्रदान के माध्यम से दृष्टिहीन लोगों को रोशनी प्रदान करने का अवसर भी मिलता है। कलेक्टर ने लोगों से अंगदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने और विशेष रूप से युवाओं में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने परिवारों, शिक्षण संस्थानों और स्वयंसेवी संगठनों से अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा, "मृत्यु के साथ जीवन समाप्त नहीं होताय अंगदान के माध्यम से हम किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में जीवित रह सकते हैं।"

जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित

रामपचोड़ावरम, पेन पावर, 11 अगस्तः पोलावरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि दूरदराज के गांवों से प्राप्त जन समस्याओं के समाधान के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। कुछ समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है, जबकि अन्य समस्याओं को संबंधित विभागों को भेजकर समाधान के उपाय तलाशे जा रहे हैं।

सोमवार को स्थानीय आईटीडीए बैठक कक्ष में आयोजित जन शिकायत निवारण केंद्र में 112 और राजस्व क्लिनिक में 30 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें मुख्य रूप से सड़क सुविधा, किसानों के खेतों तक पहुंच मार्ग, भूमि विवाद तथा पोलावरम परियोजना के विस्थापित परिवारों को मुआवजा देने से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर एस. प्रशांत कुमार, आरडीओ के. स्वाति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इंटरव्यू में सफलता के लिए व्यक्तित्व विकास जरूरी

गंडेपल्ली, पेन पावर, 11 अगस्तः आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में रोजगार के अवसर हासिल करने के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ प्रभावी संचार कौशल भी आवश्यक है, यह बात डेवन्स क्लासेस के संस्थापक एवं फ्रीलांस सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर के. साई देवन ने कही। गंडेपल्ली मंडल के सूरमपालेम स्थित आदित्य विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तत्वावधान में एलुमनी इंटरेक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शामिल साई देवन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नौकरी हासिल करने में इंटरव्यू कौशल, व्यक्तित्व विकास, अंग्रेजी भाषा पर पकड़ और प्रभावी संचार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ सॉफ्ट स्किल्स को भी लगातार विकसित करने की सलाह दी। कार्यक्रम में सिविल इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस

जनभागीदारी से जिलेभर में होंगे विशेष कार्यक्रम

ओंगोल, पेन पावर, 11 अगस्तः प्रकाशम जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह को देशभक्ति के उत्साह और जनभागीदारी के साथ भव्य रूप से आयोजित करने के लिए जिला कलेक्टर पी. राजाबाबू ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को प्रकाशम भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए कलेक्टर ने कहा कि 10 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को याद करते हुए नागरिकों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और "विकसित भारतदृ2047" के लक्ष्य में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करना इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है।

इसके तहत डिजिटल वीडियो अभियान और "मैं और मेरा देश" प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को देश निर्माण में अपनी भूमिका बताने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। 12 से 15 अगस्त तक जिले के सभी मंडलों और जिला मुख्यालय में तिरंगा साइकिल रैलियां आयोजित की जाएंगी। 13 से 15 अगस्त तक "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। 14 अगस्त को जिलेभर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पौधों की देखभाल और राष्ट्र निर्माण का संकल्प दिलाया जाएगा।

14 और 15 अगस्त को सरकारी भवनों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, प्रमुख चौराहों और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों को तिरंगे रंग की रोशनी से सजाया जाएगा। कलेक्टर ने विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों से इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की।

प्रीति जिंटा बोलीं–मोहाली मेरा घर, यह सबसे प्यारी घर वापसी सनी देओल संग पंजाब आईं

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और प्रीति जिंटा शनिवार को पंजाब पहुंचे। यहां उन्होंने चंडीगढ़, मोहाली, जालंधर और अमृतसर में अपनी आने वाली फिल्म बंटवारा 1947 के प्रमोशनल इवेंट्स में हिस्सा लिया। मोहाली इवेंट को लेकर प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है -

मोहाली मेरा घर है और यह सबसे प्यारी घर वापसी थी। बंटवारा 1947 की टीम के प्रति प्यार और गर्मजोशी के लिए सीजीसी यूनिवर्सिटी के सभी शानदार छात्रों को धन्यवाद। आप सभी से 14 अगस्त को मिलते हैं, किसी स्टेडियम में नहीं बल्कि, आपके पास के एक सिनेमाघर में। फिल्म प्रमोशन के दौरान सनी देओल और प्रीति जिंटा ने स्टूडेंट्स से मुलाकात की और उन्हें फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों में आने का न्योता दिया। उनके साथ सनी देओल के बेटे करण देओल भी मौजूद थे। इसके अलावा उनकी सुरक्षा और प्रमोशनल टीम भी वहां थी।

फिल्म के प्रमोशन के लिए सनी देओल और प्रीति जिंटा मोहाली की सीजीसी यूनिवर्सिटी पहुंचे थे। यहां उन्होंने स्टूडेंट्स से बात की। इसके लिए यूनिवर्सिटी के बुद्धा ग्राउंड में बाकायदा सेट लगाया गया था। यहां फिल्म की स्टार कास्ट ने स्टूडेंट्स की फरमाइश पर डांस भी किया। सनी देओल अपनी हिट फिल्म गदरः एक प्रेम कथा के सुपरहिट सॉन्ग मैं निकला गड्डी लेके पर नाचते दिखे। इसके अलावा प्रीति जिंटा ने शहर की भी तारीफ की। मोहाली में इवेंट के बाद फिल्म की स्टार कास्ट जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भी पहुंची। यहां भी उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के साथ स्टूडेंट्स से बात की। यहां भी सनी देओल ने प्रीति जिंटा और अपने बेटे करण देओल के साथ डांस किया। सन्नी देओल ने कहा- बच्चों आप लोगों को ढेर सारा प्यार। आप हमारा भविष्य हैं। इस मुल्क को हमें ऊपर रखना है, हमेशा हिंदुस्तान जिंदाबाद था, जिंदाबाद है और जिंदाबाद रहेगा। हमने यह नहीं सोचा था कि 1947 में आजादी मिलते ही 2 मुल्क बन जाएंगे। इस फिल्म में 1947 के बाद की कहानी है।

प्रीति जिंटा का पंजाब से लगाव किसी से छिपा नहीं है। 7 अगस्त को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने के दौरान भी उनके अंदाज ने लोगों का ध्यान खींचा। उन्होंने नारंगी रंग का बेहद खूबसूरत और वाइब्रेंट सलवार सूट पहना हुआ था। एयरपोर्ट पर कई फैंस ने उन्हें अपने कैमरे में कैद किया। वहीं, उन्होंने फैंस का अपनी स्माइल से दिल जीता।

असम में बाढ़ पर राखी सावंत ने कंगना रनौत और रवि किशन को लपेटा

असम में विनाशकारी बाढ़ से बहुत बुरे हालात हैं और पूरा जन जीवन अस्त-व्यस्त है। करीब 87 मौतें हो चुकी हैं। इस मुश्किल वक्त में जहां कई सितारों ने असम की मदद का हाथ बढ़ाया है, वहीं राखी सावंत ने कंगना रनौत और रवि किशन पर गुस्सा निकाला है। राखी सावंत ने सवाल उठाया कि अब वो असम की मदद के लिए क्यों नहीं जा रहे? उन्होंने कंगना पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अगर चुगली बंद कर दी हो तो अपने नेताओं को असम जाकर मदद करने को बोलो। राखी सावंत ने रवि किशन को भी नहीं बख्शा और कहा कि डांस करना बंद कर दें और अब देश सेवा का मौका आया है, तो जाकर सेवा करें। उन्होंने रवि किशन पर झूठ बोलने का भी आरोप लगाया।

राखी सावंत ने पपाराजी से बात करते हुएअसम के हालातों पर दुख जताया। साथ ही कंगना और रवि किशन पर बरसीं। वह बोलीं, 'असम में जो बाढ़ आ रही है, उसके लिए मैं बहुत ज्यादा अपसेट हूं। मैं हमारी कंगना से कहना चाहती हूं कि अगर तुमने लोगों के बारे में बिचिंग बंद कर दी है, तो जितने भी तुम्हारे नेता हैं, उन्हें बोलो कि असम जाएं।'

ज़िंदगी से दुःख कभी गायब नहीं हुआ: जावेद अख्तर

मुझे कभी-कभी लगता है कि आज की फिल्मों में जैसे दुःख का कोई वजूद ही नहीं रह गया है। एक जमाना था जब लगभग हर फिल्म में एक-दो ऐसे गीत जरूर होते थे जो बिछड़ने, तन्हाई, इंतजार, टूटे हुए दिल या ज़िंदगी की शिकस्त की कहानी कहते थे। आज फिल्मी गानों को सुनकर तो ऐसा लगता है जैसे हर कोई हर वक्त खुश है। मैं तो मजाक में कह देता हूं कि शायद सचमुच 'अच्छे दिन आ गए हैं!' लेकिन हकीकत यह है कि ज़िंदगी से दुःख कभी गायब नहीं हुआ। इंसान आज भी वही है। उसे आज भी मोहब्बत होती है, वह आज भी बिछड़ता है, उसे आज भी तन्हाई महसूस होती है और उसके ख्वाब आज भी टूटते हैं। तो फिर ऐसा क्या हुआ कि हमारे गीतों से दुःख क्यों गायब हो गया? मेरे खयाल में दुःख से मुंह मोड़ना किसी सेहतमंद समाज की निशानी नहीं है। यही वजह है कि पुराने दौर के दर्द भरे गीत सिर्फ मनोरंजन नहीं थे, बल्कि इंसान के दिल में दबे जज्बात को आवाज देते थे। जब कोई अपने ही दर्द को किसी गीत में सुनता है, तो उसे लगता है कि उसके दुःख को किसी ने समझा है। यही एहसास उसके दिल का बोझ हल्का कर देता है।

जब मैं शैलेंद्र, साहिर लुधियानवी और शकील बदायूनी जैसे गीतकारों को याद करता हूं, तो महसूस करता हूं कि उन्होंने दर्द को सिर्फ मोहब्बत तक सीमित नहीं रखा, उनके गीतों में तन्हाई भी थी, गरीबी भी थी, टूटे हुए ख्वाब भी थे, समाज का दर्द भी था और इंसान की बेबसी भी। शायद यही वजह है कि उनके लिखे हुए गीत आज भी उतने ही ताजा लगते हैं जितने अपने दौर में थे।

'वो ड्रग्स पार्टी करते हैं' नारायणी शास्त्री का टीवी इंडस्ट्री को लेकर दावा

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'पिया का घर' जैसे टीवी शोज में नजर आईं मशहूर एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री ने दावा किया है कि टीवी इंडस्ट्री में कई एक्टर्स ड्रग्स लेते हैं। हालांकि, नारायणी ने किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि आम तौर पर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम करने वाले ज्यादातर लोग ड्रग्स लेने को आम बात मानते हैं और उन्होंने यह खुद अपनी आंखों से देखा है। नारायणी ने कहा कि उन्होंने खुद ड्रग्स लिए हैं, पर उन्होंने से अपनी लत नहीं बनाया। नारायणी शास्त्री ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में कहा कि पहले एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पार्टियों में शराब के लिए एक तय बजट होता था, लेकिन अब वहां गैर-कानूनी ड्रग्स के लिए भी बजट होता है। नारायणी बोलीं, 'पहले पार्टियों में शराब के लिए बजट होता था। अब ड्रग्स के लिए बजट होता है। यह देखकर मैं हैरान रह गई थी। इसीलिए मैंने कई साल पहले पार्टियां करना छोड़ दिया, क्योंकि अब पार्टियों में डांस या मस्ती नहीं होती, बल्कि कुछ और ही चलता है। छोटी-मोटी गैदरिंग्स में सब जानते हैं कि सब कुछ-न-कुछ करते हैं, लेकिन बड़ी पार्टियों में ऐसी हरकतें खुलेआम नहीं होतीं। मैं ड्रग्स लेने वाले इन लोगों को पर्सनली तो नहीं जानती, लेकिन मैंने लोगों को ऐसा करते देखा है।'

'जोरू का गुलाम' के डायरेक्टर नूरानी रेप केस में गिरफ्तार

फिल्म जोरू का गुलाम के डायरेक्टर 73 साल के शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया है। 33 साल की एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग समेत कई आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, ये मामला 2016 का है।

मुंबई पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, एक्ट्रेस की शकील नूरानी से पहली मुलाकात 2016 में लोखंडवाला में एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान हुई थी। उन्होंने उनसे आने वाले एक प्रोजेक्ट के बारे में बात की और काम के लिए संपर्क करने को कहा था।

शिकायत के मुताबिक बाद में एक्ट्रेस स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए शकील नूरानी के मालवानी स्थित घर गई थीं। वहां नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। बाद में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि होश आने के बाद शकील नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल पर एक्ट्रेस का वीडियो दिखाया। उन्होंने धमकी दी कि पुलिस से संपर्क करने या परिवार को जानकारी देने पर वह वीडियो सर्कुलेट कर देंगे। एक्ट्रेस का आरोप है कि नूरानी ने इसी कथित वीडियो के जरिए उन्हें धमकाया और कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने यह भी कहा कि यौन संबंधों के बाद नूरानी उन्हें बार-बार गर्भनिरोधक गोलियां देते थे।

पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि नूरानी सातारा जिले के मेधा इलाके में स्थित एक फार्महाउस में रह रहे हैं। मालवानी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नूरानी 40 दिन तक छिपे रहे। पुलिस टीम ने अंधेरी के लोखंडवाला स्थित उनके बेटे के घर की तलाशी भी ली, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। अधिकारी ने कहा, 'टेक्निकल मदद से हमने उन्हें सातारा जिले के मेधा स्थित एक फार्महाउस में खोजा। मेधा पुलिस स्टेशन के हमारे साथियों ने उन्हें हिरासत में लिया। इसके बाद हमारी टीम ने उन्हें अपने कब्जे में ले लिया।' पुलिस ने शकील नूरानी को शनिवार को बोरीवली हॉलीडे कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 12 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

नसीरुद्दीन शाह के बयान पर भड़के पीयूष मिश्रा

सीनियर एक्टर पीयूष मिश्रा ने झारखंड प्रोटेस्ट में पहुंचकर नसीरुद्दीन शाह के एक बयान पर नाराजगी जाहिर कर उन पर कटाक्ष किया है। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह और अन्य सेलेब्स की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। झारखंड प्रोटेस्ट में शामिल हुए पीयूष मिश्रा ने कहा है, 'नसीरुद्दीन शाह साहब, आपने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट पर सेलेब्स के कुछ न कहने पर एक बात कही थी कि जिन कुत्तों के मुंह में हड्डी है वह नहीं बोलेंगे। माफ करिएगा, मैं आपका प्रति पूरा सम्मान देकर पूछना चाहता हूं कि इस वक्त वो कौन कुत्ते हैं, जिनके मुंह में हड्डी है।' कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट पर सेलेब्स की चुप्पी पर बात करते हुए नसीरुद्दीन शाह ने द वायर से कहा था, सेलेब्स तब बोलेंगे, जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को बोलेगा। एक कहावत है कि जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी होती है, वो भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उसके मुंह से गिरेगी या दांत टूटेंगे, तब वो भौंकेगा।

झारखंड की राजधानी रांची में परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के खिलाफ छात्रों का आंदोलन जारी है। प्रदर्शन के 16वें दिन अभिनेता और गायक पीयूष मिश्रा धरना स्थल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने अभ्यर्थियों के बीच बैठकर उनका समर्थन किया। मीडिया से बातचीत में पीयूष मिश्रा ने कहा कि वे छात्रों के इंटरव्यू देखकर और उनकी आंखों में दर्द देखकर यहां आए हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म 'गुलाल' का प्रसिद्ध गाना 'आरंभ है प्रचंड' भी गाया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह दिखाई दिया।

कामयाबी के लिए अपनों को बदनाम करना गलत

पत्नी सुनीता के अफेयर के आरोपों पर गोविंदा

गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के उन आरोपों पर जवाब दिया है, जिनमें उन्होंने उनके कई अफेयर्स की बात कही थी। गोविंदा ने कहा कि सुनिता सार्वजनिक तौर पर उनके बारे में नकारात्मक बातें कर स्टारडम हासिल कर रही हैं। साथ ही एक्टर ने कहा कि क्या आपको कामयाबी के लिए दूसरों को बदनाम करना जरूरी है। सुनीता के कई लड़कियों से अफेयर के दावों पर गोविंदा ने कहा, "वह मुझे बहुत प्यार से गाली देती हैं और मैं उनके हाथ से खाता भी हूं। मुझे लगता है कि जो लोग जहां हैं और भगवान ने उन्हें जो भी भूमिका दी है, अगर वो वहां नहीं होते हम कामयाब नहीं हो सकते थे।"

गोविंदा ने इशारा किया कि उनके बारे में खुलकर बोलने के बाद सुनीता को स्टारडम मिला। उन्होंने कहा, "बहुत सी बातें ऐसी होती हैं, जो बयां नहीं की जातीं। क्या दूरी बनाने के लिए आरोप लगाने की जरूरत है क्या? लेकिन लोग मानते हैं कि ये निकलने का आसान रास्ता है।"

उन्होंने सवाल किया, "कामयाबी के लिए अपने ही लोगों की बुराई जरूरी है क्या? यह थोड़ा आसान है। सुनीता तारीफ करती है फिर एक बुराई करती है। मुझे इसमें ज्यादा प्यार दिखाई देता है।"

सुनीता आहूजा हाल ही में 'लॉक अप 2' की कंटेस्टेंट बनी थीं। शो के दौरान उन्होंने गोविंदा के कथित अफेयर्स पर बात की थी। उन्होंने कहा था, "प्यार में आपको हर चीज सहन करने में सक्षम होना चाहिए। चीची (गोविंदा) के जवानी में कई अफेयर्स रहे हैं। तब मैंने नजरअंदाज किया था, लेकिन अब नहीं करूंगी।

सुनीता आहूजा कई मौकों पर गोविंदा पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और धोखा देने के आरोप लगा चुकी हैं। अफेयर रूमर्स के बीच गोविंदा एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकर के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए हैं, जिनका नाम उनकी पत्नी सुनीता भी ले चुकी हैं। सुनीता ने कुछ समय पहले ही कहा था कि उन्हें कोमल नाम से नफरत है।

कश्मीर में राजेश खन्ना ने तेज सप्रू को गालियां दी थी

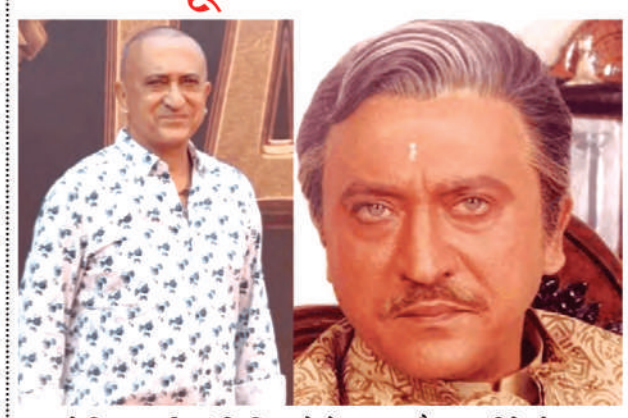

अगले दिन माफी मांगी, फिर दोनों रातभर बैठकर पीते रहे

एक्टर तेज सप्रू ने हाल ही में बताया कि राजेश खन्ना ने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें गालियां दी थीं। 'द रेडिफ' के पॉडकास्ट में तेज सप्रू ने बताया कि इस घटना से उनका दिल टूट गया था, क्योंकि वो राजेश खन्ना की बहुत इज्जत करते थे।

राजेश खन्ना की पर्सनैलिटी पर बात करते हुए तेज सप्रू ने कहा कि जब कोई शिखर पर होता है, तो कई बार उसके आसपास के लोग ही उसका दिमाग ज्यादा खराब कर देते हैं। हालांकि, राजेश खन्ना को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि "इतने बड़े दिल वाला मैंने शायद ही किसी को देखा है। पॉडकास्ट में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपनी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई घटना का जिक्र किया। सप्रू ने बताया, "एक बार हम साथ काम कर रहे थे। तभी अचानक पीछे से किसी की मुझे गालियां देते हुए आवाज सुनाई दी। मैंने मुड़कर देखा तो पाया कि वह काका जी (राजेश खन्ना) थे।" तेज सप्रू ने बताया कि जब राजेश खन्ना ने उन्हें गालियां दीं, तब वह एक एक्ट्रेस के साथ थे।

अमृता खानविलकर ने तलाक की अफवाह पर कहा

एक्ट्रेस अमृता खानविलकर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर उनके तलाक को लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। कई न्यूज पोर्टल्स ने दावा किया गया है कि शादी के करीब 10 साल बाद अमृता अपने पति हिमांशु मल्होत्रा से अलग होने जा रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं और जल्द ही कानूनी तौर पर भी अपने रास्ते अलग कर सकते हैं। इमरान हाशमी के साथ काम कर चुकीं अमृता खानविलकर अब इन अफवाहों से परेशान हो गई हैं। एक्ट्रेस ने ऐसी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। अमृता की लीगल टीम ने 10 अगस्त 2026 को सोशल मीडिया पर एक ऑफिशियल बयान जारी कर इन खबरों पर कड़ा रुख अपनाया।

व्यक्तित्व अधिकार मामले में तब्बू को हाई कोर्ट से राहत

बॉलीवुड स्टार तब्बू की तस्वीरें, वीडियो, आवाज या व्यक्तित्व अधिकारों से जुड़े अन्य प्रतीकों का इस्तेमाल उनकी अनुमति के बिना नहीं किया जा सकेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस को पर्सनैलिटी राइट मामले में बड़ी राहत दी है। उन्होंने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज, फोटोग्राफ और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य चीजों को अनधिकृत इस्तेमाल से बचाने के लिए एकतरफा अंतरिम रोक का आदेश दिया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस तब्बू की पहचान के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाई है। साथ ही गूगल, मेटा, एक्स और रेडिट समेत कई प्लेटफॉर्म को एआई से बने कंटेंट वाले 150 से ज्यादा यूआरएल हटाने का आदेश दिया है। हाइकोर्ट का आदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक, फेस मॉर्फिंग और दूसरी डिजिटल टेक्नोलॉजी के जरिए होने वाले अनधिकृत इस्तेमाल पर भी लागू होगा। अभिनेत्री की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस ज्योति सिंह ने कई बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म को निर्देश दिया है कि वे उन कंटेंट को हटा दें या उन तक पहुंच बंद कर दें, जिनमें तब्बू से जुड़ा अनधिकृत और आपत्तिजनक कंटेंट होने का आरोप है।

ए.आर. रहमान के बेटे आमीन का हुआ कार एक्सीडेंट

प्राइवेट अस्पताल में करवाया इलाज; सुबह 3.30 हुआ था एक्सीडेंट

ए.आर. आमीन, म्यूजिक कंपोजर ए.आर. रहमान के बेटे हैं। वे एक सिंगर और परफॉर्मर हैं, जो कई म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं और अपने पिता ए.आर. रहमान के साथ कई कॉन्सर्ट्स में भी नजर आ चुके हैं। अब उनसे जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 3:30 बजे हुआ, जब आमीन अपने एक दोस्त के साथ कार में गुइंडी की ओर जा रहे थे।

जैसे ही उनकी गाड़ी ओलंपिया टेक पार्क के पास पहुंची, तभी एक कैब साइड रोड से अचानक मैन सड़क पर आ गई, जिससे दोनों वाहनों के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में अमीन और उनके दोस्त को हल्की चोटें आईं। दोनों को तुरंत एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। इलाज के बाद दोनों को डिस्चार्ज कर दिया गया और वे घर लौट गए। कैब में सवार एक यात्री भी इस दुर्घटना में घायल हुआ था, जिसे इलाज के लिए कलाईनार सेंटेनरी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया। उसे भी इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस का कहना है कि इस हादसे में किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है, हालांकि दोनों गाड़ियों को नुकसान जरूर हुआ है।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com